संपादकीय

दुनिया जीत अब ओलंपिक पर निशाना

दीपिका के सधे निशानों से प्रतिष्ठा के जो दीप जले हैं, उसने देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में पेरिस में संपन्न तीरंदाजी विश्वकप में उसने तीन सोने के पदक अपने बनाये हैं। गरीबी की तपिश में निखरी दीपिका अब दुनिया की नंबर वन धनुर्धर बन गई हैं। दुनिया में पहली बार सुखद संयोग यह कि दीपिका और उसके पति के तीर ने सोने पर निशाना लगाया है। विश्व तीरंदाजी में यह पहला मौका है कि पति-प ी ने अपने देश के लिये सोने के तमगे जीते हों। दोनों की इस सुनहरी कामयाबी से भारत की ओलंपिक में सोने के पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं। यह दूसरी बार है जब दीपिका ओलंपिक से ठीक पहले तीरंदाजी में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं। दीपिका ने पेरिस में हुए विश्व कप में इतिहास रचते हुए एकल, महिला रिकर्व टीम और मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में ऐसा कमाल करेगी, ऐसा किसी ने सोचा भी न था। वह भी व्यक्ति गत स्पर्धा में रूसी खिलाड़ी को 6-0 से हराकर उसने सबको हैरत में डाल दिया।

वाकई दीपिका के करिश्में से पैदा हुई चमक से पूरी दुनिया की आंखें चुंधियायी हुई हैं। उसका जज्बा देखिये कि इस सफलता के बाद भी पैर जमीन पर हैं। उसने कहा कि ओलंपिक जीतने के लिये मैं अपने खेल में और सुधार करूंगी। मैं लगातार सीखती रहूंगी। ओलंपिक जीतना मेरा सपना है। यूं तो मेहनती दीपिका ने कड़े संघर्ष के बाद यह मुकाम हासिल किया है लेकिन धनुर्धर पति अतानु दास मिलने से उसका उत्साह बढ़ा है। जीतने की प्रेरणा बढ़ी है। उसकी कामयाबी में निखार आया है। अभ्यास के दायरे व गुणवत्ता में इजाफा हुआ है।

सही मायनों में दीपिका ने अपने परिवार की गरीबी से लड़ने के लिये धनुष उठाया था। कड़ी मेहनत व तपस्या के बाद आज न केवल दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं बल्कि अपने परिवार को आर्थिक संबल और प्रतिष्ठा भी दिलाई है। लेकिन तीरंदाजी का यह सफर इतना आसान भी नहीं था। पहले पिता ने उसके लड़की होने के कारण उसे सैकड़ों मील दूर एकेडमी भेजने से मना कर दिया था। वजह यह कि लोग कहेंगे कि बच्ची को नहीं पाल पा रहे हैं। झारखंड में बेहद गरीबी में पली दीपिका का जन्म भी बेहद मुश्किलों में हुआ। जब उसके पैदा होने से पहले उसकी मां को अस्पताल ले जाया जा रहा था तो वह अस्पताल पहुंच नहीं पायी और टैंपो में ही उसने दीपिका को जन्म दिया। उन दिनों पिता शिव नारायण महतो छोटी-मोटी दुकान चलाते थे और मां गीता पांच सौ रुपये माह की नौकरी करती थी। उसके बाद पिता टैंपो चलाते थे और मां किसी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी की कर्मचारी थी। एक बार जब वह अपने ननिहाल गई तो ममेरी बहन ने किसी आर्चरी एकेडमी के बारे में बताया। जहां सब कुछ मुफ्त है आर्चरी की किट भी, रहना भी और खाना भी। तब तीरंदाजी सीखने की ललक के साथ माता-पिता का बोझ कम करना भी मन में था ताकि बाकी सदस्यों की परवरिश ठीक से हो सके। लेकिन पिता ने दोटूक शब्दों में मना कर दिया। लेकिन बाद में पिता को उसकी ललक और जिद के आगे झुकना पड़ा। वह कालांतर में खरसांवा एकेडमी में तीरंदाजी सीखने पहुंच गई। हालांकि, वहां संसाधनों का अभाव था। बाथरूम भी नहीं था और नहाने के लिये नदी पर जाना पड़ता था। जंगली जानवरों का भय बना रहता था। लेकिन जब सीखने की ललक और कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो तो ऐसी चुनौतियां कहां टिक पाती हैं। कड़ी मेहनत व लगन से उसकी नई राहें खुलती चली गईं।

- अरुण नैथानी

मिताली का इंटरनेशनल क्रिकेट में बड़ा रिकॉर्ड, सफल रनचेज में बनीं अर्धशतकों की रानी

मुंबई । भारत के मेंस क्रिकेट की बात करेंगे तो सबसे सफल कप्तान के सवाल पर खींचतान जारी दिखेगी, लेकिन वुमन्स क्रिकेट की कहानी कुछ और है। यहां सफलता की रानी बस एक है जिसका नाम है मिताली राज। मिताली ने पिछले 22 सालों से इंटरनेशनल क्रिकेट पर अपनी धाक जमा रखी है। महिला क्रिकेट में हिंदुस्तान के नाम की ताली आज भी मिताली की वजह से ही बजती है। ठीक वैसे ही जैसे इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में बजी। भारत ने इंग्लैंड की महिलाओं के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मैच फतह कर लिया इसमें मिताली की कप्तानी और बल्ले से खेली उनकी पारी दोनों का ही अहम रोल रहा, लेकिन, इस डबल रोल को निभाते हुए मिताली न सिर्फ सबसे ज्यादा वनडे जीतने वाली महिला कप्तान बन गई बल्कि क्रिकेट के इस फॉर्मेट में अर्धशतकों की 'रानी' भी बनीं।ये सब कैसे हुआ अब वो समझिए। दरअसल, भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच हुई सीरीज में जिस टीम ने पहले बैटिंग की उसने जीत दर्ज की है। 3 वनडे की सीरीज के पहले 2 मैचों में भारतीय महिलाओं ने पहले बैटिंग की और वो हार गई। लेकिन आखिरी वनडे में इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी पर उतरा। नतीजा ये हुआ मिताली ने अपने बल्ले के करिश्मे से उन्हें घुटने पर ला दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में मिली जीत के बाद मिताली राज सबसे ज्यादा वनडे इंटरनेशनल जीतने वाली कप्तान बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ब्लेंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लार्क ने 101 वनडे में कप्तानी की थी, जिसमें उन्होंने 83 जीते थे और 17 गंवाई थी। वहीं 84वीं वनडे जीत के साथ अब इस रिकॉर्ड को मिताली ने अपने नाम कर लिया है। मिताली ने ये कमाल अपनी कप्तानी के 140वें वनडे में किया।

मेंस क्रिकेट में भारतीय कप्तान विराट कोहली को चेज पसंद है। उससे पहले के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का भी सफल रन चेज में औसत 103.6 का रहा है और लगता है इस मामले में कुछ वैसा ही टेस्ट भारत की महिला टीम की कप्तान मिताली राज का भी है। तभी तो वनडे क्रिकेट में सफल रन चेज करते हुए वो अर्धशतकों की रानी बन चुकी हैं। मिताली अब महिला क्रिकेटरों के बीच सफल रनचेज में सबसे ज्यादा 18 अर्धशतक जमाने वाली बल्लेबाज हैं। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग का रिकॉर्ड तोड़ा है।

16 साल और 205 दिन की उम्र से क्रिकेट खेल रहीं मिताली के रिकॉर्डों की गिनती करने बैठेंगे तो बहुत वक्त लग जाएगा, इसलिए संक्षेप में बता दें कि उनके नाम हर वो रिकॉर्ड है, जो आप देखना चाहते हैं।

खाद्य तेल, दालों में घटबढ़, गेहूँ, चीनी मजबूत

नई दिल्ली। विदेशों में खाद्य तेलों में जबरदस्त तेजी के बीच बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में इनके भाव में उतार-चढ़ाव देखा गया। तेलों के साथ दालों की कीमतों में भी मिश्रित रुख रहा। गेहूँ और चीनी के भाव चढ़ गये जबकि चना कमजोर हुआ।

तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 278 रिंगिट चढ़कर 3,794 रिंगिट प्रति टन पर पहुँच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 5.43 सेंट की मजबूती के साथ सप्ताहांत पर 62.52 सेंट प्रति पाउंड बोला गया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशों में खाद्य तेलों में भारी उछाल देखने को मिला है। स्थानीय बाजार में आवक बढ़ने से सरसों तेल 879 रुपये, पाम ऑयल 805 रुपये, वनस्पति 293 रुपये, मूँगफली तेल 292 रुपये और सोया तेल 220 रुपये प्रति चि्ंटल लुढ़क गया। वहीं ग्राहकी मजबूत रहने से सूरजमुखी तेल 72 रुपये प्रति चि्ंटल मजबूत हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16,264 रुपये, मूँगफली तेल 18,901 रुपये, सूरजमुखी तेल 19,413 रुपये, सोया रिफाइंड 14,945 रुपये, पाम ऑयल 11,429 रुपये और वनस्पति तेल 13,040 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने साजन प्रकाश को अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया

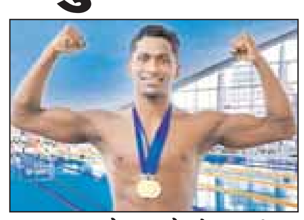

अहमदाबाद। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने लगातार दूसरे वर्ष अर्जुन पुरस्कार के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार के रूप में अनुभवी तैराक साजन प्रकाश को नामित किया है। इससे पहले एसएफआई ने जून में विभिन्न श्रेणियों के तहत राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2021 के लिए अपने नामांकन भेजे थे।

नामांकन के तुरंत बाद साजन प्रकाश ने ओलंपिक ए च ालिफिकेशन समय को पूरा करके भारतीय तैराकी में इतिहास रच दिया, जो दशकों से भारतीय तैराकी से दूर था। वहीं एसएफआई ने ध्यानचंद पुरस्कार के लिए कमलेश नानावती के नाम की भी सिफारिश की है। जल संबंधी खेलों में उनकी आजीवन उपलब्धियों के लिए उनके नाम की सिफारिश की गई है। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वाटर पोलो में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और बाद में चार दशकों के करियर में एक तैराकी कोच के रूप में कई राष्ट्रीय पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बनाए हैं।

एसएफआई की महासचिव मोनल चोकसी ने एक बयान में कहा, 200 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में टोक्यो 2020 के लिए ए च ालिफिकेशन पूरा करके साजन प्रकाश ने इतिहास रच दिया है और वह भारतीय तैराकी के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उनकी उपलब्धि आने वाले समय में कई और तैराकों को प्रेरित करेगी। हमें विश्वास है कि यह उपलब्धि अर्जुन पुरस्कार के लिए साजन प्रकाश के नामांकन के हमारे फैसले को सही साबित करेगी।

एसएफआई के अध्यक्ष आरएन जयप्रकाश ने कहा, कमलेश नानावती के पास आज संतुष्ट होने का कारण है, क्योंकि माना पटेल, जिन्हें उन्होंने अपने करियर के बेहतर हिस्से के लिए प्रशिक्षित किया है, टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली गुजरात की पहली तैराक बनी हैं।

वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में बाजार की चाल बहुत हद तक वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी। कोविड-19 वायरस के नये डेल्टा संस्करण के फैलने और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से पिछले सप्ताह बाजार में निवेश धारणा कमजोर रही। छोटी कंपनियों में निवेशकों ने पैसा लगाया, जबकि बड़ी और मझौली कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 440.37 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को 52,484.67 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 138.15 अंक यानी 0.87 प्रतिशत टूटकर सप्ताहांत पर 15,722.20 अंक पर आ गया। सप्ताह के पहले चार दिन दोनों सूचकांक लाल निशान में बंद हुये जबकि शुक्रवार को इनमें तेजी रही।

मझौली कंपनियों में बिकवाली से बीएसई का मिडकैप समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 0.19 प्रतिशत लुढ़ककर 22,508.82 अंक पर आ गया। वहीं, छोटी कंपनियों का सूचकांक स्मॉलकैप 571.03 अंक यानी 2.28 फीसदी चढ़कर 25,567.26 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमतों और कोविड-19 की स्थिति पर रहेगी।

अनुष्का शेट्टी ने दिया जिंदगी को खुशी से जीने का मंत्र

अनुष्का शेट्टी इन दिनों कू ऐप पर लगातार एक्टिव हैं. वो रोजाना कुछ न कुछ पोस्ट डालकर अपने फैंस को संदेश देती रहती हैं. लोगों को एक दूसरे से कनेक्ट करने की जरूरत के बारे में बता रही हैं ताकि लोगों को ऐसा फील न हो कि वो जिंदगी में अकेले हैं. लोगों से दिल की बातें न करने की वजह से कई बार देखा गया है कि लोग आत्महत्या जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं. अनुष्का वे अपने पोस्ट में उन्होंने खुलकर कनेक्ट करने और आपस में बातें करने की जरूरत पर जोर दिया है. लोगों को मोटिवेट किया है दुनिया में अच्छाई भी है वो हमेशा उस पर ध्यान दिया करें. कैसा भी बुरा वक्त रहा हो लेकिन आपको हमेशा नई शुरूआत के बारे में सोचना चाहिए. बातें करें, हंसें और पूरी तरह खुश रहकर जिंदगी जिएं.

साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने अपने लाजवाब अभिनय और गजब की अदाओं से लोगों के दिलों पर राज किया है. अनुष्का ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है जिसके दम पर वो इंडस्ट्री की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं.

अनुष्का को भारत में सबसे ज्यादा फेम मिला एस एस राजामौली और प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' से. फिल्म में एक्ट्रेस ने 'देवसेना' का किरदार निभाया था. उनके रोल को काफी पसंद किया गया था. अनुष्का ने 'बाहुबली' फिल्म के पहले भाग में ज्यादा स्क्रीन स्पेस शेयर नहीं किया मगर फिल्म के दूसरे भाग में उनका प्रमुख रोल था.

अनुष्का अपने लुक के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं. उनकी ग्लैमरस और बोल्ड फोटोज काफी वायरल होती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस की एक लेटेस्ट फोटो अपने दोस्तों के साथ खूब कू पर खूब वायरल हो रही है. ये फोटो एक्ट्रेस की लॉकडाउन के दौरान की रीसेंट फोटो है जिसमें वो अपने दोस्तों के के साथ काफी अलग लग रही है और मस्ती के मूड में नज़र आ रही इस फोटो में बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

9 सितंबर को थिएटर में रिलीज हो सकती है केजीएफ चैप्टर 2

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर अभिनेता यश और संजय दत्त के अभिनय से सजी फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 काफी समय से चर्चा में है। इस फिल्म की रिलीज का इंतजार फैंस काफी बेसब्री से कर रहे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि यह फिल्म आगामी 9 सितंबर को थिएटर में रिलीज हो सकती है। फिल्म समीक्षक सुमित कडेल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बताया है कि फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी।

सुमित ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, यदि कोरोना वायरस की तीसरी लहर देश में नहीं आती है और थिएटर्स खुल जाते हैं, तो यह फिल्म 9 सितंबर, 2021 को थिएटर में रिलीज हो सकती है। कोरोना की दूसरी लहर आने के पहले जनवरी में घोषणा की गई थी कि यह फिल्म इस साल 16 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब इस फिल्म की रिलीज डेट को बदलने के बारे में बातचीत चल रही है।

हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बुधवार को सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा चली थी कि फिल्म की रिलीज को टाला जा सकता है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे 100 करोड़ रुपये की बजट में बनाया जा रहा है। इस फिल्म को कन्नड़, हिन्दी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील ने किया है।

कमाई में किसी से कम नहीं वाणी कपूर

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा वाणी कपूर को भला कौन नहीं जानता है. अपनी एक्टिंग के साथ साथ वाणी ग्लैमरस अदाओं के लिए भी जानी जाती हैं. वाणी कपूर ने मॉडलिंग में अपनी एक खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड में एंट्री की थी. तमाम परेशानियों के बाद आज वाणी एक खास मुकाम पर पहुंची हैं. वाणी आज करोड़ों में खेलती हैं. वाणी ने अपने करियर की शुरुआत दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ की थी. वाणी सुशांत के साथ 2013 में आई फिल्म शुद्ध देसी रोमांस में नजर आई थीं. इस फिल्म के बाद से एक्ट्रेस धीरे धीरे करियर में आगे बढ़ रही हैं. अब सिर्फ खूबसूरती ही नहीं बल्कि पैसों के मामले में भी किसी से कम नहीं वाणी कपूर.

वाणी अपनी हर एक फिल्म के लिए लाखों रूपये चार्ज करती हैं. खबरों की मानें तो एक्ट्रेस वाणी कपूर की कुल संपत्ति 2020 में 9 करोड़ रुपये के आस पास थी.

पकौड़े ही नहीं अरबी के पत्तों की सब्जी भी होती है बहुत स्वादिष्ट

अरबी के पत्तों की पकौड़ी तो लाजवाब होती ही है लेकिन अगर आप इसकी सब्जी भी बनाते हैं तो यकीनन कोई खाने से इंकार नहीं कर पाएगा। तो देर किस बात की, जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री :

250 ग्राम अरबी के पत्ते, 125 ग्राम बेसन, स्वादानुसार नमक, 1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टीस्पून धनिया पाउडर, 3 टेबलस्पून तेल, चुटकी भर हींग, 1 टीस्पून अजवायन, 1 टीस्पून जीरा, 1/2 टीस्पून राई, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 इंच टुकड़ा अदरक कसा हुआ, डेढ़ टीस्पून अमचूर पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 1 टेबलस्पून हरी धनिया कटी हुई

विधि :

अरबी के पत्तों के डंठल तोड़ लें। पानी अच्छी तरह निकाल दें। बेसन को गाढ़ा घोल लें। इसमें नमक, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालें। घोल की पतली परत बनाएं। पत्ते को रोल करते हुए मोड़ लें। इसी तरह सारे पत्ते रोल करें। इन्हें भाप में 15 मिनट तक पकाएं। भाप में पकने के लिए कुकर लें।किसी बर्तन में जरूरतभर पानी भरकर जाली का स्टैंड रखें। अरबी के पत्ते चलनी में रखें। चलनी स्टैंड के ऊपर रखें। ढककर पत्तों को पकाएं। इन पत्तों को 1 इंच लंबे टुकड़ों में काटें। एक पैन में तेल गर्म करें।

हींग, अजवायन, जीरा व राई डालकर चटकाएं। शेष सामग्री मिलाकर हल्का सुनहरा भूनें। अब अरबी के पत्ते डालकर 3-4 मिनट तक भूनें। हरी धनिया से सजाकर गरमागरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 130

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 129 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

सू-दोकू- 130

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.129 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आज का राशिफल

मेष : आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ : स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क : घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है।

सिंह : प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें।

तुला : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

धनु : अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें।

मकर : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे।

कुंभ : रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन : क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा।